तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

ई-न्यूज़लेटर 2025-26

E-NEWSLETTER 2025-26

नन्हें कदम

NIPUN BHARAT

अप्रैल से जुलाई तक

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-4, भुवनेश्वर

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NO.4, BHUBANESWAR

मुख्य संरक्षक
OUR CHIEF PATRONS

डॉ सिहरन बोस
उपायुक्त (सेवानिवृत्त) एवं सलाहकार
केंद्रीय विद्यालय संगठन , भुवनेश्वर संभाग

श्री बीरबल धींवा
सहायक आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन ,
भुवनेश्वर संभाग

श्री अनिल कुमार
सहायक आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन ,
भुवनेश्वर संभाग

श्री आर . सी. गोंड
सहायक आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन ,
भुवनेश्वर संभाग

प्रधानाचार्य का संदेश
PRINCIPAL'S MESSAGE

प्रिय अभिभावकों, शिक्षकों और युवा शिक्षार्थियों,
नमस्कार!

मुझे न्यूज़लेटर (नन्हे कदम) का यह संस्करण प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है–यह हमारे बच्चों की शिक्षा के आधारभूत और प्रारंभिक चरणों के दौरान शुरू की गई जीवंत यात्रा का उत्सव है। ये शुरुआती वर्ष एक बच्चे की जिज्ञासा, रचनात्मकता और चरित्र को आकार देने में सबसे महत्वपूर्ण होते हैं, और हम, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4, भुवनेश्वर में, उन्हें देखभाल, दूरदर्शिता और उद्देश्य के साथ पोषित करने पर गर्व महसूस करते हैं। दूरदर्शी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, हमारा ध्यान आनंददायक, खेल–आधारित और खोज–उन्मुख शिक्षण अनुभवों का निर्माण करने पर है जो आजीवन सीखने की नींव मजबूत करते हैं। एनईपी 2020 आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता, अनुभवात्मक शिक्षा और 21वीं सदी के कौशल के विकास पर ज़ोर देती है, और हम इस दृष्टिकोण को अपने विद्यालय के प्रत्येक कक्षा और कोने में जीवंत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कहानी सुनाने के सत्रों, व्यावहारिक गतिविधियों और स्थानीय संस्कृति के एकीकरण से लेकर खेल के माध्यम से प्रकृति और मूल्यों की खोज तक, हमारा उद्देश्य प्रत्येक बच्चे में कल्पनाशीलता को प्रज्वलित करना, आत्मविश्वास जगाना और अपनेपन व आत्म–सम्मान की भावना को बढ़ावा देना है। हमारा मानना है कि जब सीखना आनंददायक और सार्थक होता है, तो बच्चे न केवल ज्ञान ग्रहण करते हैं, बल्कि उद्देश्यपूर्ण ढंग से सोचने, महसूस करने और विकसित होने के कौशल भी विकसित करते हैं।

मैं अपने समर्पित शिक्षकों, सहयोगी अभिभावकों और जिज्ञासु नन्हे–मुन्नों का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस यात्रा को इतना समृद्ध बनाया है। आइए, हम सब मिलकर इन नन्हे कदमों को एक उज्जवल भविष्य की ओर मज़बूत और आत्मविश्वास से भरे कदमों के लिएपोषित करते रहें। हार्दिक शुभकामनाएँ,

(धीरेंद्र कुमार झा)
प्रधानाचार्य

मुख्याध्यापक का संदेश
HEADMASTER'S MESSAGE

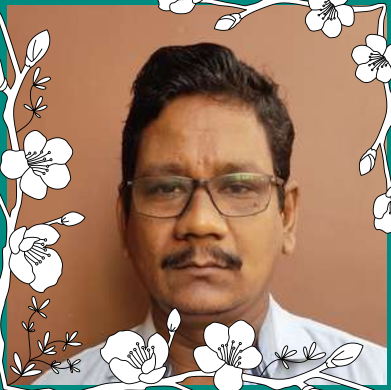

अविराम प्रसाद दास
मुख्याध्यापक
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-4,
भुवनेश्वर

यह बहुत खुशी और संतुष्टि की बात है कि पीएम श्री केवी नंबर 4, भुवनेश्वर की हमारी प्राथमिक विंग वर्ष 2025-26 के लिए पहला अंक न्यूज़लेटर लेकर आई है।

मेरा मानना है कि समाचार पत्र एक खिड़की के रूप में काम करेगा जिसके माध्यम से इस अवधि के दौरान की गई शैक्षणिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों, उपलब्धियों और प्रगति की पूरी प्रोफ़ाइल देखी जा सकती है।

मैं सभी छात्रों और अभिभावकों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं हमारे आदरणीय प्रिंसिपल सर को उनके मार्गदर्शन और अपने शिक्षकों को उनके प्रयास के लिए भी धन्यवाद देता हूं।

"प्राथमिक विभाग"

MRS TAPASWINI PADHI
PRT

MR LAXMIDHAR OJHA
PRT

MRS JAYANTI BARIK
PRT

MS RAJALAXMI BEHERA
PRT

MRS BHARTI GUPTA
PRT

MRS YASHIKA GOYAL
PRT

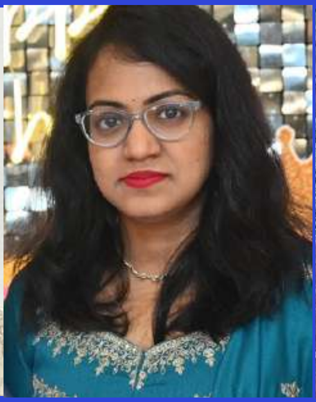

MS SUDIPTA SAHOO
PRT

MR AMARJEET PANDA
PRT

MR PARSHURAM TRIPATHY
PRT

MS HIMANSHI SAGAR
PRT

MRS KAJAL MALLICK
PRT

MRS RICHA SAXENA
PRT(MUSIC)

MR SOMYAKANT SAMAL
PRT

MS SUGANDHA PRADHAN
SPECIAL EDUCATOT

MS ITISHREE
ODIA TEACHER

विषयसूची

- प्रवेशोत्सव
- विद्याप्रवेश
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
- इको-क्लब गतिविधि
- आंतरिक प्रशिक्षण
- अभिभावक-शिक्षक बैठक
- आधारभूत गणित
- आधारभूत साक्षरता
- कला आधारित शिक्षण
- डिजिटल कक्षा
- खेल आधारित शिक्षण
- हस्तकला कोना
- हाउस बोर्ड सजावट
- सृजनात्मक कोना

प्रवेशोत्सव

"शिक्षा ही एक ऐसा हथियार है, जो दुनिया को बदल सकता है।"

प्रवेशोत्सव

"अज्ञानता से ज्ञान की ओर बढ़ना ही शिक्षा का उद्देश्य है।"

विद्याप्रवेश

विद्यालय उद्यान

मिट्टी से आकार

शब्द खेल

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग एक धर्म नहीं है, यह एक विज्ञान है, सलामती का विज्ञान, यौवन का विज्ञान।

पर्यावरण क्लब गतिविधि

एक पेड़ माँ के नाम

“पर्यावरण है हम सबकी जान, इसलिए रखो इसका ध्यान।”

आंतरिक प्रशिक्षण

एनईपी 2020
NEP-2020

योग्यता आधारित पाठ योजना
COMPETENCY BASED LESSON PLAN

Jodo Gyan द्वारा फाउंडेशनल न्यूमरेसी
FOUNDATIONAL NUMERACY BY JODO GYAN

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में आईसीटी
ICT IN TEACHING- LEARNING PROCESS

"शिक्षा एक दीपक है, जो अज्ञानता के अंधकार को मिटा देता है।"

अभिभावक-शिक्षक बैठक

आधारभूत गणित

गिफ्ट बॉक्स की सजावट

गणित माला का उपयोग करके संख्या पैटर्न

मोतियों के साथ समूह बनाना

गणित माला का उपयोग करके गिनती

बिल्डिंग ब्लॉक्स

जादुई पिटारा का उपयोग करके 2D आकार बनाना

शिक्षा वह चाबी है जो सभी द्वारों को खोल सकती है।

आधारभूत साक्षरता

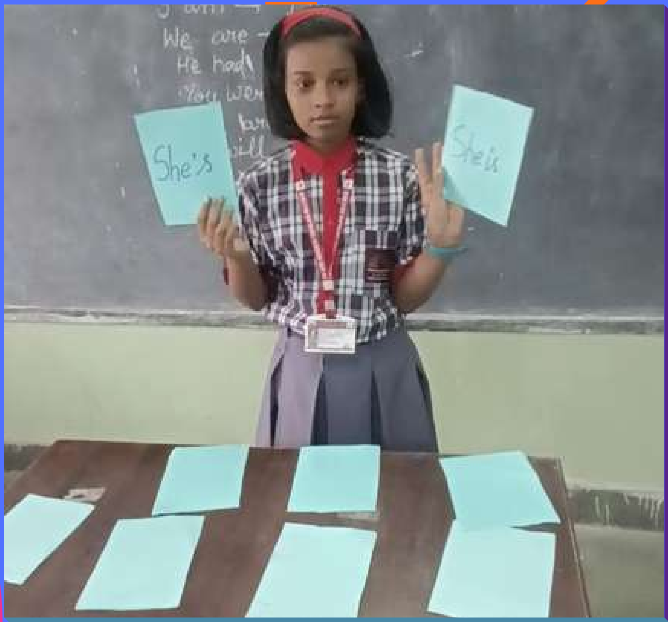

कला आधारित शिक्षण

परिवार वृक्ष निर्माण के माध्यम से परिवार के बारे में सीखना

पोस्टर बनाने के जरिए त्योहारों की जानकारी प्राप्त करना

डिजिटल कक्षा

TEACHIING ABOUT SOLAR SYSTEM USING ICT

खेल आधारित शिक्षण

LEARNING ABOUT BODY PARTS THOUGH GAME

- "शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि जीवन के हर पहलू को समझना है।"

हस्तकला कोना

DIORAMA MADE BY THE STUDENTS OF CLASS 4

"शिक्षा जीवन की तैयारी नहीं है; शिक्षा ही जीवन

हाउस बोर्ड सजावट

SUBHASH HOUSE
सुभाष सदन

TAGORE HOUSE
टैगोर सदन

RAMAN HOUSE
रमन सदन

ASHOK HOUSE
अशोक सदन

सृजनात्मक कोना

My School Life: A journey of Sweet Memories

My School, KV No-4, Bhubaneswar, is not just a building, it's a place where I've learned, grown, and made some of my best friends. Every day at school is an adventure, filled with exciting lessons, fun games on the playground, and the joy of sharing tiffin with my classmates.

For me, school life is a journey of learning and discovery. It helps me to recognise my individuality and develop my unique identity. My school has given me trust, inspiration and countless joyful memories. I have been a student at my school for 05 years, and this time I feel like a golden era.

From learning the alphabet to solving Math problems, my school journey has been filled with incredible growth. I still remember the warm welcome I received on my first day of school – a moment I will never forget. My school has taught me life skills, academic knowledge and much more, which I am still grateful for today. Extracurricular activities have added a vibrant dimension to my school life. I actively participate in sports, cultural events houses and scouts and guide me to discover my interests and talents. Through these activities I have learnt the importance of teamwork, leadership and time management. Challenges, like Exams and assignments have tested my determination and resilience.

School is also a place where I've learned important life lessons. My teachers have always been there to guide me, not just in my studies, but also in developing my noble thoughts. Their parental love, caring attitudes and invaluable advices have made me bold and frank.

As I look back on my school life, I cherish the friendships I've made, the knowledge I've gained, and the confidence I've built. My school encourages creativity, critical thinking, and collaboration, preparing me for the future. I am grateful for my school, my teachers, and my friends, who have made this journey so special. Thus, the school life is a very sweet memory not only for me, but for every student which will be ever remembered.

←o—o→

Name – Swayam Prakash
Class – V (B)
Roll No – 22

MY SCHOOL LIFE:A JOURNEY OF SWEET MEMORIES
BY SWAYAM PRAKASH (VB)

CW
23/12/24

24

चींटी से भेंट

• एक दिन एक चींटी अकेले चलते हुए आपको मिलती है। आपकी उससे बातें शुरु हुई।

मैं : नमस्ते चींटी। आज आप अकेली आई हैं।
चींटी : नमस्ते। मैं तो ऐसे ही टहल रही थी।
मैं : आज मेरा जन्मदिन है।
चींटी : अच्छा। जन्मदिन मुबारक हो।
मैं : धन्यवाद। अच्छा, क्या आप मेरे जन्मदिन में आना चाहती हो।
चींटी : हाँ, मैं आना चाहती हूँ मेरे फौज के साथ तुम्हारे जन्मदिन पे।
मैं : अच्छा ठिक है।
चींटी : कितने बजे आना है?
मैं : 7:30 बजे आना है।
चींटी : ठिक है। मैं और मेरी फौज तुम्हारे लिए तौफे लेकर आ...
मैं : अरे! इसकी क्या जरूरत थी।
चींटी : अरे नहीं-नहीं, आप को तो लेना ही पड़ेगा।

25

मैं : अच्छा ठिक है, अगर आप इतना कह रही हो तो मैं ले लेती हूँ।
चींटी : खाने में क्या-क्या बनेगा?
मैं : पूरी, मटर की सब्जी, आइसक्रीम, मिठाई और बहुत कुछ।
चींटी : अच्छा, क्या शहद मिलेगा?
मैं : नहीं, वो तो नहीं मिल सकता मुझे माफ करना।
चींटी : अरे कोई बात नहीं मैं तो ऐसे ही पुछ रही थी।
मैं : अगर आपको पसंद है तो मैं अपने पापा को बोलती हूँ।
चींटी : शुक्रिया आपका।
मैं : अच्छा बहुत बातें हो गयी। अलविदा रात को मिलेंगे।
चींटी : अच्छा। अलविदा फिर मिलेंगे।

10/10

GIFT

The sky wears robes of golden light,
birds sing songs at morning's heigt.
Leaves that dance with every bees,
rivers hum to swaying trees.
Flowers bloom in colours bright,
Stars keep watch through silent night
Mountains stand in calm embrace,
holding time in natures grace.
The earth is speaking soft and clear,
"protect my heart, keep me near".
A gift so pure, so wild, so true.

CHITI SE BHET
ANANYA GOND (IIIB))

NATURE'S GIFT
RITUPURNA DAS (IIIB))

- "शिक्षा हमें आत्मविश्वास देती है ताकि हम खुद के सपनों को प्राप्त कर सकें।"

उँगलियों से चित्रकारी

धन्यवाद